>

Title: Need to include 'Kol Samaj' in the list of Scheduled Tribes.

श्रीमती अनुप्रिया पटेल (मिर्जापुर): अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश राज्य के मिर्ज़ापुर, सोनभद्र, चित्रकूट, इलाहाबाद आदि अन्य जिलों में कोल आदिवासी समुदाय के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं और इन्हें उत्तर प्रदेश राज्य में अनुसूचित जाति की श्रेणी में रखा गया है, किन्तु उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य सभी प्रदेशों जैसे: मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखण्ड में इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में रखा गया है । उत्तर प्रदेश का कोल आदिवासी समुदाय एक लम्बे समय से समानता के लिए संघर्ष कर रहा है कि इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में उत्तर प्रदेश में भी रखा जाए । मैं इस समुदाय के बीच में लगातार जाती रहती हूं । वे अपनी इस गंभीर समस्या को बार-बार उठाते रहते हैं । मैंने इसे 16वीं लोक सभा में भी उठाया था ।

महोदय, यह बहुत ही गंभीर मसला है और मैं बताना चाहती हूं कि उत्तर प्रदेश राज्य के अनुसूचित जाति एवं अनूसूचित जनजाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान द्वारा इस कोल आदिवासी समुदाय के ट्राइबल कैरेक्टर को स्टडी करके एक विस्तृत सर्वेक्षण रिपोर्ट इस अनुशंसा के साथ उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार को सौंपी गई थी कि इन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल किया जा सकता है । उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन माननीय मुख्य मंत्री जी ने वर्ष-2013 में इस रिपोर्ट को संलग्न कर इसकी संस्तुति करते हुए अपनी आख्या केंद्र सरकार को भेजी थी और इस बात का अनुरोध किया था कि कोल समुदाय, जो उत्तर प्रदेश में निवास करता है उसे भी अन्य प्रदेशों की तरह अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में शामिल किया जाए । किंतु 6 वर्ष का लंबा समय बीतने के बाद भी अभी तक इस पर जो प्रभावी कार्रवाई होनी चाहिए, वह नहीं हो पाई है ।

मैं माननीय जनजातीय कार्य मंत्री जी से व्यक्तिगत रूप से भी मिलकर इस विषय से उन्हें अवगत करा चुकी हूं । कोल समाज के अंदर बहुत तड़प है और न्याय के लिए यह समाज तड़प रहा है । आज, मेरा सदन के माध्यम से उनसे विशेष अनुरोध है कि वे इस रिपोर्ट को अविलम्ब संज्ञान में लेते हुए उत्तर प्रदेश के कोल समुदाय को अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में सम्मिलित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई करना सुनिश्चित करें । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष : श्री विनोद कुमार सोनकर, श्री रवि किशन शुक्ला, श्री आर.के.सिंह पटेल और डॉ. किरिट पी.सोलंकी को श्रीमती अनुप्रिया पटेल द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

श्री हिबी इडन जी ।

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): माननीय अध्यक्ष महोदय, हमारा एक बहुत गंभीर मुद्दा है । कृपया मुझे कुछ समय बोलने का मौका दीजिए ।

माननीय अध्यक्ष : आपकी पार्टी के नए सदस्य को क्या आप बोलने नहीं देंगे? आपका विषय क्या है? आप नोटिस दें, लिखकर भेजें ।

श्री अधीर रंजन चौधरी : सर, आप सब जानते हैं कि कर्नाटक की मौजूदा सरकार को गिराने के लिए एक घिनौनी साजिश चल रही है । …(व्यवधान) । इसे अंजाम देने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ी जा रही है । …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप इस विषय पर पिछले दो दिनों से लगातार बोल रहे हैं और तब आपने सदन से वाक आउट भी कर दिया था । केवल श्री हिबी इडन जी की बात की ही रिपोर्टिंग हो ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, क्या आप बोलना चाहते हैं? श्री एस.मुनिस्वामी जी ।